Gujarat University, Ahmedabad

Sanskrit-pathyakram:

Sanskrit Syllabus

NEP - 2020, **New Course**

B.A.(Hon.) Sanskrit, Semester-06

Regular and External Students, Effective from June-2025

In the Board of Studies meeting held on 30th June 2025, the following changes were made

in the Third Year B.A. Semester-06

IMPLEMENTATION FROM JUNE-2025

(Meeting of The Board of Studies in Sanskrit, Gujarat University, Held on 3-7-2025)

Paper No.	Course Category	Course Title	Credit	IM	EM	Marks
Paper 361A	DSC-C	साहित्यदपण पारच्छद-6 (ानयताश)	04	50	50	100

Objectives	• कावराज ावश्वनाथ क ावषय से पाराचत हाग । • छात्र प्राचान साहित्यशास्त्रकारा से अवगत हाग । • साहित्य का आधार रूपक माना जाता है (क्याक जा लाक्षाणक ग्रथा म पारभाषा इत्याद जा ामलता ह उन सभा का आधार रूपक ह) यह सभा सदभा स छात्र का इस ावषय का बोध होगा ।	
Unit	Unit -1	विश्वनाथ का जीवन समय एव कतृत्व पारेचय॥ "साहित्य दपण" ग्रथ पारेचय
	Unit - 2	पारच्छद ६ का कारकाआ का अनुवाद कारका १-२७ रुपकलक्षणामदा
	Unit - 3	५४-६०अर्थोपक्षेपकाः ६४-७५ अर्थप्रकृतयः सरस्प
	Unit - 4	काव्यशास्त्र का प्राचान परपराए एव अन्य काव्यशास्त्रा स सबध
Learning Outcomes	• छात्रो का सस्कृत काव्यशास्त्र मे विषयप्रवेश • छात्र सस्कृत रूपको से अवगत होगे • नाट्य और आभनय के रूपो की जानकारी प्राप्त करेगे	

1. साहित्यदपणः (सावमश शशिकला हिन्दिव्याख्योपेत) संपादक, डॉ. सत्यव्रत सिह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, द्वितीय आवृत्ति, 2002
2. साहित्यदपणः सपा. भगवतीप्रसाद पण्ड्या, सरस्वती पुस्तक भडार, अहमदाबाद।
3. સાહિત્યશાસ્ત્રના વિચાર પરમ્પરાઓ, સંપાદક, ડૉ. તપસ્વી નાન્દી, યુનિવર્સિટી ગ્રન્થ

નિર્માણ બોર્ડ, અમદાવાદ
4. History of Sanskrit Poetics, P.V. Kane, pp.352-991.
5. History of Sanskrit Poetics, Kane, P.V., and its Hindi translation by Indrachandra Shastri, Motilal Banarasidas, Delhi, 1961.

Paper No.	Course Category	Course Title	Credit	IM	EM	Marks
Paper 361B	DSC-C	निबन्ध	04	50	50	100

<table>
<tr><td colspan="3"></td></tr>
<tr><td>Objectives</td><td colspan="2">• छात्रा का विषय क प्रित तकबद्धता, रचनात्मकता, लखनशक्ति, किवत्वशक्ति आर सजनात्मक शक्ति का विकास हागा।
• छात्र इस विषय क सदभ स पारपक्वता प्राप्त करन म अग्रसर हाग ।
• छात्रा म विषय क गाभताथा क प्रित जागृत बढ़गा।</td></tr>
<tr><td rowspan="4">Unit</td><td>Unit -1</td><td>1. चाणक्यनीत अ-1-2
2. विदुरनात अ-1-2.</td></tr>
<tr><td>Unit - 2</td><td>भागवतपुराण स्कध-9. अवधूतोपाखयान
1. कपाताख्यान तक
2. पिगलापाख्यान तक</td></tr>
<tr><td>Unit - 3</td><td>1. वैदिक देवताओ का स्वरूप (अग्नि, इद्र ,विष्णु ,वरुण)
2. उपनिषद के शांतिपाठ</td></tr>
<tr><td>Unit - 4</td><td>1. कालिदास और भवभूति के नाटको मे नायक एव नायिकाए
2. मम्मटोक्त काव्य प्रयोजन</td></tr>
<tr><td>Learning Outcomes</td><td colspan="2">• अपने जीवन मे नैतिक मूल्यो को ग्रहण करने की क्षमता
• अपने कार्य से सबंधित नैतिक निधि की पहचान करने की और प्रदर्शित करने की दृष्टि ।
• अनैतिक व्यवहार से दूरी।</td></tr>
<tr><td colspan="3">1. વિદૂરનીતિ, સપાદક, પ્ર. સી. એલ. શાસ્ત્રી, ડૉ. એસ.જ.દવે,પ્રા. પી. સી. દવે, સરસ્વતી પુસ્તક ભંડાર.</td></tr>
<tr><td colspan="3">2. કાટલ્ય અથશાસ્ત્ર(ભ:-1) સંપાદક, ડૉ. ગૌતમ પટલ, સસ્કૃત સાહિત્ય અકાદમી,</td></tr>
</table>

ગાંધીનગર, પ્રથમ આવૃત્તિ,2006
3. पुराणो मे भारतीय संस्कृति, संपादक, डॉ. सोहन कृष्ण पुरोहित, राजस्थान ग्रन्थागार, प्रथम संस्करण, 2007
4. સંસ્કૃત નાટકોનો પરિચય, ડૉ. તપસ્વી નાન્દી, યુનિવર્સિટી ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ, ગાંધીનગર
5. वैदिक देवशास्त्र, डॉ. सूर्यकान्त, मुद्रण बालकृष्ण एम. ए., युगान्तर प्रेस दिल्ली

Paper No.	Course Category	Course Title	Credit	IM	EM	Marks
Paper 362A	DSC-C	तकसग्रह (ानयताश)	04	50	50	100

Objectives	• न्यायशास्त्र म ावषयप्रवश । • इस शास्त्र का सहाय्य स सभा प्राढ़ शास्त्रा म ावषयप्रवश । • छात्र का तााकक क्षमता म वृाद्ध ।	
Unit	Unit -1	प्रत्यक्षखण्ड
	Unit - 2	अनुमानखण्ड
	Unit - 3	उपमानखण्ड, शब्दखण्ड (ग्रन्थसमााप्त तक)
	Unit - 4	अन्नम्भट्ट का जीवन, समय एवं कतृत्व (कृात) "तकसग्रह' ग्रथ पारचय॥ न्याय दशन एव वैशोषक दशन का पारचय
Learning Outcomes	• छात्र भारतीय दशन के क्षेत्र मे न्यायवैशोषक दशन के योगदान से अवगत होगे । • छात्र नौतक और आचाारक मूल्यो से पाराचत होगे ।	

1. Tarksangrahm, Ed.Dr. Jitendra Jetali , Dr Vasanta Parikha, Sarasvati Pustak Bhandar , Ahmedabad
2. Tarksangrahm, Ed. Dr.Lkashmesh Joshi , Parshav Publications , Ahmedabad.
3. Nyaya-Vaisheshik Darshan, Gujarat University Granth Nirmana Board, Ahmedabad.
4. Indian Philosophy,Radhakrishnan, S. Oxford University Press, Delhi, 1990
5. Some Fundamental Problems in Indian Philosophy, Raja, Kuhnan MLBD, Delhi,
6. Sarva-Darshana Samgraha, Rishi, Uma Shankar (Ed.), Chowkhamba Vidyabhawan, Varansi

Paper No.	Course Category	Course Title	Credit	IM	EM	Marks
Paper 362B	DSC-C	शुकनासोपदेश	04	50	50	100

Objectives	• ▫द्य सम्राट द्वारा रचित ▫द्य क अध्ययन क विषय म विस्तृत माहिता प्राप्त हागा । • छात्र क निजा जावन म नातिविषयक मूल्या का जुड़ाव होगा।	
Unit	Unit -1	चयनीत भाग का अनुवाद एवं विषयवस्तु का विवेचन
	Unit - 2	साहित्यिक आलोचना
	Unit - 3	संस्कृत का कथाआ क साथ तुलनात्मक अभ्यास
	Unit - 4	संस्कृत ▫द्य का उत्पत्ति और विकास
Learning Outcomes	• संस्कृत पाठ का पढ़न आर समझन का क्षमता म वृद्धि। • छात्रा का संस्कृत, संस्कृति आर धामिक पृष्ठभूमि का बुनियादा जानकारा हागा। • काव्यरूपा का साहित्यक विशषताआ का पहचान आर उनका वणन कर।	

1. शास्त्री, रामपाल. शुकनासोपदेशः. चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. शुकनासोपदेशः,સંપા દવે, સુરેશ જ,સરસ્વતા પુસ્તક ભંડાર, પ્રથમ આવૃત્ત, (२००५)
3. कादम्बरी, સંપા.,શાસ્ત્રા,સી.એલ., જિતેન્દ્ર દેસાઇ, દશરથ વાઇયા સરસ્વતા પુસ્તક ભંડાર, પ્રથમ આવૃત્તિ. (१९७४)
4. कादबरी-शुकनासोपदेश, परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
5. शुकनासोपदेश, व्याख्याता तारिणीश झा, प्रकाशक रामनारायणलाल अरुण कुमार, इलाहबाद, चतुर्थ संस्करण २००२

Paper No.	Course Category	Course Title	Credit	IM	EM	Marks
Paper 363A	DSC-C	भाषा विज्ञान	04	50	50	100

<table>
<tr><td colspan="3"></td></tr>
<tr><td>Objectives</td><td colspan="2">• छात्रा का भाषा क उद्भव आर विकास का जानकारा प्राप्त होगी ।
• छात्रा का भाषा का आभव्याक्त का सपूण विाध का बोध होगा।
• विभिन्न भाषाआ म भद का दृष्टि विकासत हागा ।</td></tr>
<tr><td rowspan="4">Unit</td><td>Unit -1</td><td>भाषा विज्ञान का उद्भव एव विकास</td></tr>
<tr><td>Unit - 2</td><td>भाषा विज्ञान का अध्ययन पद्धातया, तुलनात्मक, एातहासिक एवं वणनात्मक</td></tr>
<tr><td>Unit - 3</td><td>भाषा का आकृति मूलक स्वरूपानेष्ठ वर्गीकरण,- अयोगात्मक श्लिष्ट -प्रांश्लिष्ट वैदिक संस्कृति और अवेस्ता की तुलना</td></tr>
<tr><td>Unit - 4</td><td>भारोपीय भाषा कुल की दो भाषाओ का परिचय॥
शतम् एव केतुम् वर्ग परिचय॥</td></tr>
<tr><td>Learning Outcomes</td><td colspan="2">• श्रवण, वाचन, पठन और लेखन आदि क्षमताओ के साथ संस्कृत समझने मे बुनियादी सचार कौशल का विकास।</td></tr>
<tr><td colspan="3">1. भाषाविज्ञान, डॉ. अनुज प्रताप सिंघ, नमन प्रकाशन, दिल्ली, २००५.</td></tr>
<tr><td colspan="3">2. तुलनात्मकभाषाविज्ञान, भोलनाथ तिवारी, मोतीलालबनारसी दास, दिल्ली ।</td></tr>
<tr><td colspan="3">3. भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, मोतीलालबनारसी दास, दिल्ली.</td></tr>
<tr><td colspan="3">4. ભાષાશાસ્ત્ર અને પરિચય, પ્રા.વસંતકુમાર ભટ્ટ, સરસ્વતી પુસ્તક ભંડાર,૨૦૦૭</td></tr>
<tr><td colspan="3">5. भारतीय भाषाविज्ञान, किशोरीदास वाजपेयी शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, २०१६</td></tr>
</table>

Paper No.	Course Category	Course Title	Credit	IM	EM	Marks
Paper 363 B	DSC-C	कारकप्रकरणम्	04	50	50	100

Objectives	• छात्र सभी विभक्तियों (कारकों) से परिचित होंगे । • छात्रों को एक ही अर्थ में विभिन्न विभक्तिप्रयोग का बोध होगा। • सिद्धान्तकौमुदी के विभिन्न टीकाग्रथों से अवगत होंगे।	
Unit	Unit -1	सूत्र 532 से 544
	Unit - 2	559-584,586-595 606,607,623-627,632-639 उपर्युक्त सूत्रो का अर्थ, उदाहरण एवं विमर्श का अभ्यास, विभक्तियो का प्रयोग
	Unit - 3	पाणिनीय व्याकरणशास्त्र परंपरा के वृत्तिग्रथ, प्रक्रियाग्रथो का परिचय
	Unit - 4	वैयाकरणसिद्धातकौमुदी पर लिखित टीका ग्रथो का परिचय
Learning Outcomes	• छात्र 'विभक्तियों' के प्रयोग द्वारा वाक्य निर्माण करेंगे।	

1. कारकप्रकरणम्, સંપાદક. ડો.વસંતકુમાર એમ.ભટ્ટ, સરસ્વતી પુસ્તક ભંડાર, અમદાવાદ.
2. कारकप्रकरणम्, સંપાદક,શાન્તિકુમાર પંડ્યા, પાર્શ્વ પ્રકાશન, અમદાવાદ
3. કારક વિચાર, સંપા.ડો. હર્ષદેવ માધવ, પાર્શ્વ પ્રકાશન, અમદાવાદ
4. वयाकरण सिद्धातकाम - गोपालदास पांडे, चौखम्बा प्र□□□□, □□□□□□
5. □□□□कामुदी, डा रामानुज शमा ब्रह्माष, चाखम्बा सुरभारती प्रकाशन, □□□□
6. व्याकरणशास्त्र का इतिहास, □□□ 1 □□3, □. युधिष्ठिर मीमांसक, चाखम्बा प्रकाशन, □□□□□□

End Semester Examination							
	Teaching Hours	Category (AEC/ SEC/ VAC)	Credit	Internal Marks	External Marks	Practical/ Viva Marks	Total Marks
	30	AEC	02	25	25	-	50
	30	SEC	02	25	25	-	50

Course Objectives:

Course Outcomes:

Syllabus (In all the languages in which MOI (Medium of Instruction) is offered):

Modes of Evaluation:

1. Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE) - Formative
2. Semester End Evaluation (SEE) - Summative

Structure of question paper for Semester End Examination

Name & Signature of BOS Chairmen/Convenor: Dr. Hetal M Pandya

Date: 16/10/2025

Place: Ahmedabad